बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह एवं विभिन्न प्रख्यात कवियों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने उपस्थित कवियों का स्वागत एवं सम्मान करते हुए विविध भाषाओं को बढ़ावा देने हेतु कविता को एक माध्यम बताया। प्रख्यात हिन्दी कवि डॉ. राजीव नसीब ने अपनी पंक्तियों –'क्या कहूँ कितना मुझे प्यारा वतन, मैं बदन हूँ और है साया वतन' से देश के प्रति सम्मान व्यक्त किया। प्रसिद्ध उर्दू कवि तलब जौनपुरी की सुन्दर पंक्तियों में से 'खाक हम किसलिए छाने किसी खण्डहर की कमी, क्या पता उसमें भी रंजिश की कहानी निकले', ने कार्यक्रम की शोभा में चार चाँद लगा दिये। अवधी भाषा के प्रसिद्ध कवि अशोक बेशरम ने 'छूटै आकाश में सांस भले, पै पावन देश कै माटी न छूटै' जैसी पंक्तियों से समा बांधा। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्य के प्रसिद्ध कवियों ने अपनी–अपनी रचनाओं के माध्यम से विविध भाषाओं को बढ़ावा देने का अविरल प्रयास किया साथ ही श्रोताओं को मंत्रमुग्ध भी किया। कार्यक्रम संयोजक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने धन्यवाद् ज्ञापित किया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे व डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी. शुक्ला तथा रतन कुमार गुप्ता एवं अन्य सभी कर्मचारियों के साथ ही लगभग 50 से अधिक श्रोता गण आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम की झलकियाँ

स्वतंत्रता की पूर्वसंध्या पर बहुभाषी
कवि सम्मेलन
दिनांक 14 अगस्त 2023
समय - दोपहर 3:30 बजे
स्थान :- सरस्वती सम्मेलन कक्ष
डॉ. संजय सिंह
तलब जौनपुरी
राजीव नसीब
अशोक बेशरम
भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
स्थान :- 3/1, लाला लाजपत राय रोड, नया कटरा, प्रयागराज
ICFRE -ERC

बहुभाषी कवि सम्मलेन का हुआ आयोजन

प्रयागराज। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन आज दिनांक 14.08.2023 को किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह एवं विभिन्न प्रख्यात कवियों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने उपस्थित कवियों का स्वागत एवं सम्मान करते हुए विविध भाषाओं को बढ़ावा देने हेतु कविता को एक माध्यम बताया। प्रख्यात हिन्दी कवि डॉ. राजीव नसीब ने अपनी पंक्तियों- 'क्या कहूँ कितना मुझे प्यारा वतन, मैं बदन हूँ और है

साया वतन' से देश के प्रति सम्मान प्रस्तुत किया। प्रसिद्ध उर्दू कवि तलब जौनपुरी की सुन्दर पंक्तियाँ 'खाक हम किसलिए छाने किसी खंडहर की कभी, क्या पता उसमे भी रंजिश की कहानी निकले' कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाती रही। अवधी भाषा के प्रसिद्ध कवि अशोक बेशरम ने 'छूटै आकाश में सांस भले, पै पावन देश कै माटी न छूटै' जैसी पंक्तियों से समा बांधा। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे व डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ व.त.अ. डॉ. एस.डी. शुक्ला तथा रतन गुप्ता एवं अन्य सभी कर्मचारियों के साथ ही 50 श्रोता आदि उपस्थित रहे।

तिरंगे की शान में किया देशभक्ति का गान

- स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कवि सम्मेलन में कवियों ने लूटी वाहवाही
- इलाहाबाद संग्रहालय, हिन्दुस्तानी एकेडेमी और अलोपीबाग में आयोजन

प्रयागराज, संवाददाता। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शहर की विभिन्न संस्थाओं की ओर से कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवियों ने देशभक्ति गीतों और रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इलाहाबाद संग्रहालय में 'मेरी माटी उसका वंदन' के तहत आयोजित कवि सम्मेलन में नवगीतकार यश मालवीय ने '..जब कोई खतरा होता है तो आप तिरंगे हो जाते हैं..' प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। रुस्तम इलाहाबादी ने रचनाओं से माटी का वंदन किया। प्रीता बाजपेई ने कविता 'सिपाही को नहीं कुछ भी यहां बलिदान से प्यारा..' की प्रस्तुति की। डॉ. श्लेष गौतम ने कविता 'इंसानियत के हक में ये ऐलान होना चाहिए, कोई भी हो वो पहले इंसान होना चाहिये' प्रस्तुत की। अध्यक्षता कर रहे आकाशवाणी के निदेशक लोकेश शुक्ल ने काव्य पाठ किया। आभार ज्ञापन वित्त अधिकारी राघवेन्द्र सिंह ने किया।

हिन्दुस्तानी एकेडेमी में हुए कवि सम्मेलन में मखदूम फूलपुरी ने कविता 'नीला, हरा, पीला न लाल दिखाई दे। हर घर के छत पर बस तिरंगा दिखाई दे' प्रस्तुत कर देशभक्ति का संदेश दिया। वीरेंद्र तिवारी, पीयूष मिश्र, राजेश सिंह 'राज', एमएस खान 'शाहिद इलाहाबादी', वंदना शुक्ला, गरिमा सिंह, संक्षेप बरनवाल, आकांक्षा बुदेला, रिंकी खान ने काव्य पाठ किया। एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कवियों को शॉल, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच पूर्वांचल यूपी इकाई की ओर से अलोपीबाग में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विजय लक्ष्मी विभा, विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रदीप चित्रांशी रहे। रचना सक्सेना ने देश का स्वाभिमान है अपना तिरंगा.. की प्रस्तुति की। संजय सक्सेना ने 'अब तो मिलकर नया जहां बनाए, कभी अपनों को भी अपना बनाएं' प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। डॉ. प्रदीप चित्रांशी, डॉ. रवि कुमार मिश्र, देवी प्रसाद पाण्डेय, उमेश श्रीवास्तव, डॉ. वीरेंद्र तिवारी, राकेश मालवीय, कविता उपाध्याय, केपी गिरि, केशव प्रकाश सक्सेना, राजेश सिंह राज, डॉ. इंदु जौनपुरी, सरिता मिश्रा, एसपी श्रीवास्तव, विश्व ज्योति, मंजू पांडेय, गीतिका उपाध्याय ने काव्य पाठ किया। संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत सोमवार को पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की ओर से आयोजित कवि गोष्ठी का शुभारंभ करते अतिथि।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की ओर से कवि गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र के प्रमुख संजय सिंह ने दीप प्रज्जवलित करके किया। इस अवसर पर डॉ. राजीव नसीब ने कविता 'क्या कहूं कितना मुझे प्यारा वतन, मैं बदन हूं और है साया वतन' की प्रस्तुति की। तलब जौनपुरी ने कहा 'हम किसलिए छाने किसी खंडहर की कभी, क्या पता उसमे भी रंजिश की कहानी निकले'। अशोक बेशरम ने कहा 'छूटै आकाश में सांस भले, पै पावन देश के माटी न छूटै' प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। आभार ज्ञापन वैज्ञानिक आलोक यादव ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे व डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एसडी शुक्ल, रतन गुप्ता मौजूद रहे।